खोई हुई या चौरी गई वस्तुयें**- नक्षत्रों के अनुसार**:-

खोई हुई या चौरी गई वस्तु मिलेगी या नहीं- इस प्रश्न का उत्तर नक्षत्रों के विश्लेषण से दिया जा सकता है। अभिजित सहित सभी 28 नक्षत्रों को समान रूप से 4 भागों में विभाजित किया गया है, और प्रत्येक भाग में 7 नक्षत्र हैं। इनका नाम अंध, मन्द, मध्य और सुलोचन रखा गया है। इन नक्षत्रों में चुराई गई या खोई हुई वस्तु का नक्षत्रों के आधार पर सही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

नक्षत्रों का लोचन ज्ञान:-

1. **अंध लोचन नक्षत्र-** रेवती, रोहिणी, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, विशाखा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा।
2. **मन्द लोचन नक्षत्र-** अश्विनी, मृगशिरा, अश्लेषा, हस्त, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा।
3. **मध्य लोचन नक्षत्र-** भरणी, आर्द्रा, मघा, चित्रा, ज्येष्ठा, अभिजित, पूर्वाभाद्रपद।
4. **सुलोचन नक्षत्र-** कृतिका, पुनर्वसु, पूर्वाफाल्गुनी, स्वाति, मूल, श्रवण, उत्तराभाद्रपद।

1. यदि वस्तु को अन्ध लोचन में चुराया गया था, या खो गई थी तो उसे जल्द ही **पूर्व दिशा** से बरामद किया जा सकता है।

2. यदि वस्तु मंद लोचन में खोई हुई है, तो यह **दक्षिण दिशा** में है और बहुत कठिनाई से 3–4 दिनों के भीतर पुनः प्राप्त की जा सकती है।

3. यदि वस्तु मध्य लोचन में खोई हुई है, तो यह **पश्चिम दिशा** में है। खोये जाने के दिन से एक महीने के पूरा होने के बाद सूचना मिल सकती है और 2.5 महिने के बाद वस्तु को पुनः प्राप्त करने की संभावना होती है।

4. यदि वस्तु सुलोचन नक्षत्र में खो गई है, तो यह **उत्तर दिशा** में है। वस्तु की न तो जानकारी प्राप्त की जा सकती है और न ही इसे कभी वापिस प्राप्त किया जा सकता है।

जिस स्थान पर खोई हुई या चौरी गई वस्तुयें होती है उस स्थान की जानकारी उस दिन के नक्षत्र से प्राप्त की जा सकती है जब वस्तु खोई थी या चौरी हुई थी। वस्तुओं का स्थान नक्षत्र के आधार पर प्राप्त किया जाता है।

प्रश्न कुंडली के अनुसार **जानकारी**, **नक्षत्र पर आधारित**–

1. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा अश्विनी नक्षत्र में है, तो खोई हुई या चौरी गई वस्तु शहर या गांव में ही है।

2. .यदि प्रश्न के समय चंद्रमा भरणी नक्षत्र में है, तो खोई हुई या चौरी गई वस्तु केवल सड़क पर है।

3. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा कृतिका नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु जंगल में है।

4. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु एक ऐसे स्थान पर है जहां नमक या नमक के लिए प्राप्त होने वाली चीजें बहुतायत में पाई जाती हैं।

5. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा मृगशिरा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु बिस्तर, या सोने की जगह के नीचे होती है।

6. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा आर्द्रा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु मंदिर में है।

7. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा पुनर्वसु नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु उस स्थान पर होती है जहां गेहुं रखा जाता है।

8. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु घर के अंदर ही है।

9. यदि प्रश्न के समय चन्द्रमा अश्लेषा नक्षत्र में है, तो गायब वस्तु रेत के नीचे छिपी हुई है।

10. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा मघा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु उस स्थान पर होती है जहां चावल रखा जाता है।

11. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु वीरान या खाली स्थान में होती है।

12. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु जल की टंकी आदि में होती है।

13. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा हस्त नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु तालाब या अन्य जल निकायों में है।

14. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा चित्रा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु कपास के क्षेत्र में है।

15. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा स्वाति नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु बेडरूम में है

16. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा विशाखा नक्षत्र में है, तो गायब वस्तु अग्नि के स्थान पर है।

17. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय अनुराधा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु लताओं के पास है।

18. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा ज्येष्ठा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु परित्यक्त स्थान पर है।

19. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय मूल नक्षत्र में है, तो गायब वस्तु टेढे–मेढे स्थान में है।

20. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय पूर्वा आषाढ़ नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु छत में छिपी हुई है।

21. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा उत्तरा आषाढ़ नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु कपड़े धोने में है।

22. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय श्रवण नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु को जिम या परेड के स्थान पर रखा गया है।

23. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय धनिष्ठा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु मिल के पास है।

24. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा शतभिषा नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु सड़क पर है।

25. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु घर के अग्नि कोने में है।

26. यदि प्रश्न के समय चंद्रमा उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु दलदल में है।

27. यदि चंद्रमा प्रश्न के समय रेवती नक्षत्र में है, तो लापता वस्तु बगीचे में है।

क.स.	नक्षत्र	वस्तु की स्थिति
1	अश्विनी	शहर या गांव में
2	भरणी	सड़क पर
3	कृतिका	जंगल में
4	रोहिणी	नमक के स्थान पर
5	मृगशिरा	बिस्तर में
6	आर्द्रा	मंदिर में
7	पुनर्वसु	गेहुं के स्थान में
8	पुष्य	घर के अंदर
9	अश्लेषा	रेत के नीचे
10	मघा	चावल के स्थान में
11	पूर्वाफाल्गुनी	वीरान या खाली स्थान में
12	उत्तराफाल्गुनी	जल की टंकी आदि में
13	हस्त	तालाब आदि में
14	चित्रा	कपास के क्षेत्र में
15	स्वाती	बेडरूम में
16	विशाखा	अग्नि के स्थान पर
17	अनुराधा	लताओं के पास
18	ज्येष्ठा	परित्यक्त स्थान पर
19	मूल	टेढे.मेढे स्थान में
20	पूर्वाषाढ़ा	छत में छिपी हुई
21	उत्तराषाढ़ा	बाथरूम में
22	श्रवण	जिम या परेड के स्थान पर
23	धनिष्ठा	मिल के पास

24	शतभिषा	सड़क पर
25	पूर्वाभाद्रपद	अग्नि कोण में
26	उत्तराभाद्रपद	दलदल में
27	रेवती	बगीचे में

खोए और चोरी हुए सामान के बारे में कैसे जाने:-

किसी चोरी या खोई हुई वस्तु को वापस कैसे प्राप्त करें जैसे सवालों के जवाब के बारे में जानने के लिए, ज्योतिष में जिस प्रणाली का उपयोग किया जाता है, उसे प्रश्न ज्योतिष के नाम से जाना जाता है। यहां पर कुछ ऐसे ज्योतिषीय योगों के बारे में बताया गया है जिनके माध्यम से व्यक्ति कई सवालों के जवाब जान सकता है जैसे कि चोर कौन है? क्या चोरी की गई वस्तु वापस मिल सकती है और समय सीमा क्या है?

क्या है प्रश्न ज्योतिष के पैरामीटर, जो हमें चोरी की वस्तुओं के बारे में जानने में मदद करते हैं: -

(१) पहला कदम- एक भविष्यवक्ता **को** प्रश्नकर्ता के प्रश्न के समय के आधार पर प्रश्न कुंडली बनानी होती है।

(2) चुराए गए या खोए हुए सामान का फैसला करने के लिए चंद्रमा की स्थिति को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

(३) यह तय करें कि खोई हुई वस्तु प्रश्न कुंडली के चौथे भाव के आधार पर मिल सकती है या नहीं।

(४) सातवें घर का उपयोग चोर के बारे में निर्णय लेने के लिए किया जाता है।

(५) आठवें घर का इस्तेमाल यह तय करने के लिए किया जाता है कि चोर के पास कितनी संपत्ति है।

(६) दसवें घर का उपयोग उस स्रोत को तय करने के लिए किया जाता है जिसके माध्यम से खोई हुई वस्तुएँ वापस मिल सकती हैं।

जानिए चोरी में इस्तेमाल होने वाले तरीकों के बारे में: -

(1) यदि मंगल प्रश्न कुंडली के सातवें घर में स्थित है, तो चोरी करने में शारीरिक शक्ति का उपयोग किया जाता है।

(२) यदि प्रश्न कुंडली के सातवें भाव का स्वामी चंद्रमा हो या सप्तम भाव पर चंद्रमा की दृष्टि हो तो उस स्थिति में भी शारीरिक शक्ति का उपयोग चोरी करने में किया जाता है।

(३) यदि प्रश्न कुंडली में शुक्र और चंद्रमा सप्तम भाव में हो या बली चन्द्रमा लग्नेश के साथ स्थित हो और सप्तमेश भी बली हो तो उस स्थिति में, चोर ने चोरी के लिये ताला खोल दिया है।

(४) अगर प्रश्न कुंडली के लग्नेश का पापग्रहों के साथ संबंध हो और उसकी सप्तमेश पर दृष्टि हो, द्वितीयेश, चंद्रमा और सूर्य बली हो। उस स्थिति में, ज्ञात व्यक्तियों के सामने लूटपाट की जाती है।

जानिए चोर और चोरी की वस्तु के विवरण के बारे में: -

(१) यदि प्रश्न कुंडली के लग्न में चर राशि हो, या नवमांश लग्न में चर (1 4 7 10) राशि हो, तो उस स्थिति में चोरी की गई वस्तु घर से बहुत लंबी दूरी पर स्थित होती है।

(२) यदि प्रश्न कुंडली के लग्न में स्थिर राशि (2 5 8 11) या नवमांश लग्न में स्थिर राशि है या यह वर्गोत्तम है, तो चोर कुछ ज्ञात व्यक्ति है और चोरी की गई वस्तु कहीं न कहीं घर से बहुत निकट है।

(३) अगर प्रश्न कुंडली के लग्न और नवमांश लग्न में द्विस्वभाव राशि होती है जैसे (3 6 9 12)। उस मामले में, चोर कुछ परिचित व्यक्ति से पूछताछ कर सकता है। वस्तु अधिक दूर नहीं है।

(४) यदि प्रश्न लग्न या चन्द्रमा शनि से दृष्ट हो या सप्तम भाव में स्थित बुध पर शनि का प्रभाव हो तो उस स्थिति में चोर अभिमानी स्वभाव का होता है।

(५) यदि शनि प्रश्न कुंडली के सातवें घर में स्थित हो और बृहस्पति से प्रभावित हो तो चोर एक ज्ञात व्यक्ति है।

(६) यदि सप्तमेश पर पापग्रहों का प्रभाव हो तो चोर आदतन चोर होता है, यदि सप्तमेश पर मंगल की दृष्टि हो तो, चोर पुलिस रिकॉर्ड में एक पुराना हिस्ट्रीशीटर अपराधी होता है।

जानिए चोर और चोरी की वस्तु के विवरण के बारे में: -

(() यदि सूर्य प्रश्न कुंडली का सप्तमेश है या सप्तम में स्थित है, तो उस स्थिति में, चोर या तो पृच्छक का पिता या परिवार का कोई वरिष्ठ व्यक्ति होता है।

(() यदि चंद्रमा प्रश्न कुंडली के सातवें घर का स्वामी है या चंद्रमा सातवें घर में स्थित है, तो उस स्थिति में चोर या तो पृच्छक की मां है या उस महिला के चेहरे पर तिल या धब्बे हैं।

(९) यदि मंगल प्रश्न कुंडली के सातवें घर का स्वामी है या मंगल सातवें घर में स्थित है। उस मामले में, चोर- पृच्छक का भाई, या दोस्त या कोई साहसी व्यक्ति होता है।

(१०) यदि बुध प्रश्न कुंडली के सातवें घर का स्वामी होता है या सातवें घर में स्थित होता है, तो उस स्थिति में चोर या तो पृच्छक का छोटा भाई होता है या कोई छोटा बच्चा होता है।

(११) यदि बृहस्पति प्रश्न कुंडली के सातवें घर के स्वामी है या सातवें घर में स्थित है, तो उस स्थिति में चोर या तो पंडित, ब्राह्मण, शिक्षक या समाज का सम्मानित व्यक्ति होता है। वह चोरी करने में दूसरों की मदद लेता है।

(१२) यदि शुक्र प्रश्न कुंडली के सातवें घर का स्वामी है, या सातवें घर में स्थित है, तो उस स्थिति में चोर एक शिक्षित, फैशनेबल और आकर्षक दिखने वाला युवक या महिला है।

(१३) यदि प्रश्न कुंडली के सातवें घर का स्वामी शनि है या शनि वहां स्थित है, तो उस स्थिति में, चोर एक नौकर है जो लंबा, दुर्बल है और उसका पक्का रंग है।

(१४) यदि राहु प्रश्न कुंडली के सातवें घर में स्थित है, तो चोर पेशेवर है।

(१५) यदि केतु प्रश्न कुंडली के सातवें घर में स्थित है, तो चोर पेशेवर है। चोर एक अच्छा योजनाकार है और उसे ट्रेस करना मुश्किल है।

जानिए चोरी गई वस्तु के स्थान **के बारे में: -**

कई बार हम रखे गए सामान की जगह को भूल जाते हैं या हमें यह एहसास नहीं होता है कि हमने उस जगह को छोड़ दिया है या उसके गिरे हुए स्थान को छोड़ दिया है। इस स्थिति में, खोई हुई वस्तु के स्थान के बारे में जानने के लिए हमें प्रश्न कुंडली के चौथे घर और उसमें स्थित ग्रहों का अध्ययन करना चाहिए। चतुर्थ भाव में पड़ने वाला प्रभाव हमें खोई हुई वस्तु के स्थान के बारे में जानने में मदद करता है:

(1) यदि सूर्य प्रश्न कुंडली के चौथे भाव पर प्रभाव डालता है, तो खोई हुई वस्तु को परिवार के किसी वरिष्ठ व्यक्ति के बेडरूम में या घर के बाहर भूमिगत पाया जा सकता है।

(2) यदि चंद्रमा कुंडली के चतुर्थ भाव पर प्रभाव डालता है तो स्थिति या दृष्टि से, खोई हुई वस्तु पानी की जगह के पास मिलती है।

(3) यदि मंगल कुंडली के चौथे भाव पर प्रभाव डालता है, तो खोई हुई वस्तु रसोई, आग या उस स्थान के पास होती है जहाँ मशीनें रखी जाती हैं।

(4) यदि बुध का चतुर्थ भाव पर प्रभाव है, तो खोई हुई वस्तु या तो कक्षा में या किसी वाहन में मिल सकती है।

(5) यदि बृहस्पति चतुर्थ भाव में स्थित है या प्रश्न कुंडली में चतुर्थ भाव पर दृष्टि है, तो उस स्थिति में, खोई हुई वस्तु बगीचे में या मंदिर में होती है।

(6) यदि शुक्र कुंडली के चौथे भाव पर प्रभाव डालता है, तो खोई हुई वस्तु बिस्तर या बेडरूम में मिल सकती है।

(7) यदि राहु और शनि का प्रभाव प्रश्न कुंडली के चौथे भाव पर होता है, तो खोई हुई वस्तु को किसी अंधेरे या गंदे स्थान पर पाया जा सकता है।

इसको हम एक उदाहरण द्वारा समझते हैं:—

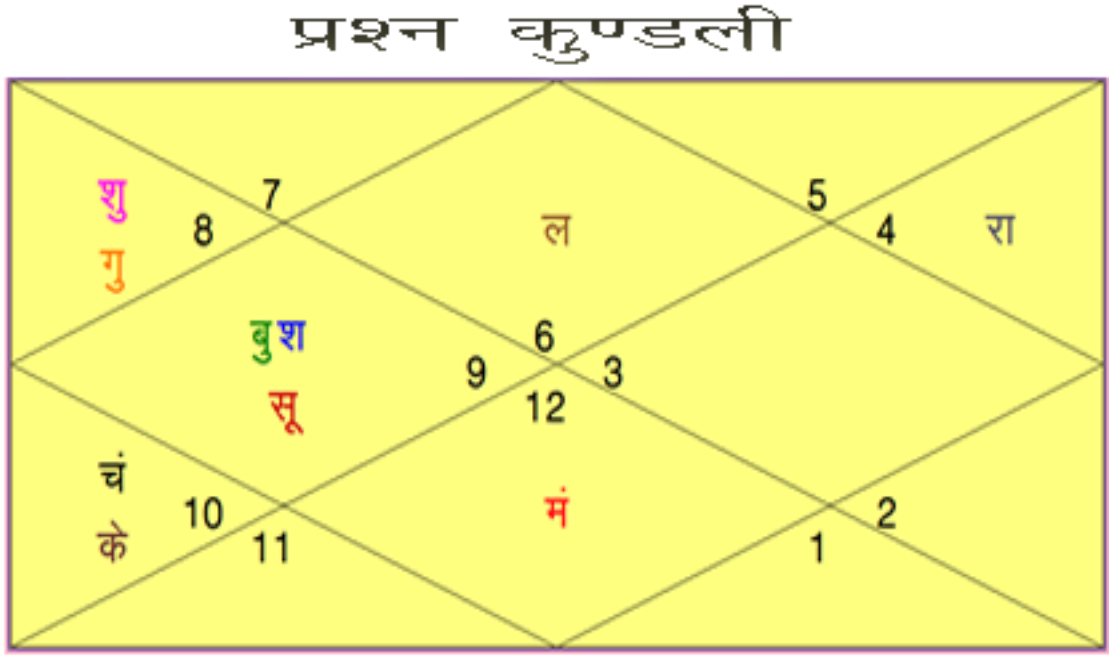

प्रश्न लग्न में द्विस्वभाव राशि है। वस्तु अधिक दूर नहीं है। लग्नेश बुध चतुर्थ भाव में स्थित है। पापग्रहों के साथ है। वस्तु मिलेगी परन्तु कठिनाई से। सूर्य चतुर्थ भाव में है अतः खोई हुई वस्तु परिवार के किसी वरिष्ठ व्यक्ति के बेडरूम में या घर के बाहर पायी जा सकती है। बुध का चतुर्थ भाव पर प्रभाव है, परन्तु यह अस्त है। शनि का प्रभाव प्रश्न कुंडली के चौथे भाव पर है, परन्तु यह भी अस्त है।

सारांश यह है कि यहां बुध व शनि अस्त है। सूर्य बलवान है। अतः वस्तु परिवार के किसी वरिष्ठ व्यक्ति के बिस्तर या कमरे में कहीं मिल सकती है। वह कमरा प्रश्नकर्ता जहां स्थित होकर प्रश्न कर रहा है वहां से अधिक दूर नहीं है। तृतीयेश मंगल सप्तम भाव में स्थित है अतः चौर प्रश्नकर्ता का छोटा भाई हो सकता है। चौर नामी है। चन्द्रमा मकर राशि में व वर्गोत्तम है। यह पृथ्वी राशि है। धातु है। अतः चौरी गई वस्तु लोहे या चांदी की हो सकती है। प्रयास करने पर मिलेगी।

इस तरह, आप पता लगा सकते हैं कि चोर, चोरी या खोई हुई वस्तु के बारे में। कई बार निर्दोष व्यक्ति जो आपके निकट होते हैं उन पर संदेह किया जाता है और उन्हें चोर बना दिया जाता है। इसलिये सावधानी की आवश्यकता है।